

अमेरिका ने अफ़गानस्तान स्थिति इस्लामिकि स्टेट के बेस पर 'सबसे बड़े' बम से कथि हमला

संदर्भ

गौरतलब है कि अफ़गानस्तान में अमेरिकी बलों के कमांडर सेना जनरल जॉन डब्ल्यू निकोलसन द्वारा जारी कथि गए एक बयान में स्पष्ट कथि गया है कि अमेरिका द्वारा पूर्वी अफ़गानस्तान स्थिति इस्लामिकि स्टेट की एक जटिल सुरंग में 13 अप्रैल की शाम को GBU-43 बम द्वारा एक बड़ा हमला कथि गया। इस हमले का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि इस हमले में अमेरिका द्वारा एक अत्यंत ही वधिवंशकारी एवं शक्तिशाली बम 'GBU-43' का उपयोग कथि गया।

GBU-43

- उल्लेखनीय है कि GBU-43 एक अत्यंत ही शक्तिशाली एवं अमेरिका के सबसे बड़े गैर-परमाणु बमों में से एक है।
- ध्यातव्य है कि यह पूर्वी अफ़गानस्तान के युद्ध में इस्लामिकि स्टेट उग्रवादियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली गुफाओं की शृंखला पर गरिया गया अब तक का सबसे बड़ा गैर-परमाणु बम है।
- पेंटागन के प्रवक्ता एडम स्टम्प के अनुसार, यह आयुध पाकस्तान सीमा के नज़दीकी प्रान्त नंगरहार (Nangarhar province) के अचिनि ज़िले (Achin district) में MC-130 विमान से गरिया गया।
- वदिति हो कि GBU-43 को सभी बमों में सर्वश्रेष्ठ (mother of all bombs) कहा जाता है।
- GBU-43 21,600 पाउंड वाला 9,797 किलोग्राम के जीपीएस द्वारा निर्देशित एक वधिवंशक युद्धक हथियार है।
- इसका परीक्षण पहली बार मार्च 2003 में कथि गया था।

बम का प्रभाव

- अभी तक इस बम के प्रभाव के विषय में कोई स्पष्ट जानकारी प्राप्त नहीं हो सकी है। यह प्रथम बार है जब अमेरिका ने किसी संघर्ष में इस प्रकार के किसी बम का उपयोग कथि है।

अन्य पक्ष

- ध्यातव्य है कि यह हमला अफ़गान क्षेत्र में अमेरिका के कार्यों का स्पष्ट संचालन करने तथा इस्लामिकि स्टेट लड़ाकुओं और उनके ठिकानों का सफाया करने के लिये कथि गया था।
- वस्तुतः इस्लामिकि स्टेट द्वारा मज़बूत प्रतिरक्षा के लिये कामचलाऊ वस्फोटक उपकरणों, बंकरों और सुरंगों का उपयोग कथि जा रहा है।
- अमेरिका द्वारा इस संबंध में दएि गए वक्तव्य में यह स्पष्ट कथि गया है कि अमेरिका द्वारा इस्लामिकि स्टेट के वरिद्ध गंभीरतापूर्वक लड़ाई लड़ी जा रही है। वस्तुतः अमेरिका का लक्ष्य इस्लामिकि स्टेट समूह को पराजति करने तथा उन्हें पूर्व की भाँती अपनी गतिविधियों को संचालित करने का कोई भी स्थान नहीं मिलने देना है।